आरती श्री बिहारी जी की

श्री बांके बिहारी तेरी आरती गाऊं
कुंज बिहारी तेरी आरती गाऊं, श्री बांके.....

श्याम सुन्दर तेरी आरती गाऊं,
मोर मुकुट प्रभु शीश पे सोहे,
प्यारी बंशी मेरो मन मोहे
देखि छबि बलिहारी जाऊं, श्री बांके.....

चरणों से निकली गंगा प्यारी,
जिसने सारी दुनिया तारी
मैं उन चरणों के दर्शन पाऊं,श्री बांके.....

दास अनाथ के नाथ आप हो
दुख सुख जीवन प्यारे साथ आप हो
हरि चरणों में शीश नवाऊं श्री बांके.....

श्री हरिदास के प्यारे तुम हो,
मेरे मोहन जीवन धन हो,
देखि युगल छवि बलि-बलि जाऊं श्री बांके.....

आरती गाऊं प्यारे तुमको रिझाऊं
हे गिरिधर तेरी आरती गाऊं ।

विवरण

श्री बाँके बिहारी की हम आरती गाते हैं, हे कुंज बिहारी ! हम आपकी आरती गाते हैं । आपका श्याम वर्ण अत्यन्त सुन्दर लग रहा है, आपके शीश पर मोर का मुकुट शोभित हो रहा है, तथा आपके प्यारी बंशी की धुन हमारे मन को मोह रही है, आपकी ये छवि देखकर हम आप पर

बलिहारी जाते हैं, ऐसे श्री बाँके बिहारी की हम आरती गाते हैं ।

आपके जिन चरणों से प्यारी गंगा निकली, जिसने सारी दुनिया को तार दिया, हम उन चरणों के दर्शन पाना चाहते हैं । हे बाँके बिहारी ! हम आपकी आरती गाते हैं । हमारे सुख-दुःख भरे जीवन में आप ही साथ हो, तथा हम अनाथों के आप ही नाथ हो, हम आपके चरणों में शीश नवाते हैं, हे बाँके बिहारी, हम आपकी आरती गाते हैं ।

हे श्री हरि ! इस दास के आप बहुत ही प्यारे हैं तथा हे मोहन ! इस जीवन के संपत्ति भी आप ही हैं । आपके इस मोहक छवि को देखकर हम आप पर बलिहारी जाते हैं और आपकी आरती गाकर हम आपको रिझाते हैं । हे गिरधर ! हम आपकी आरती गाते हैं ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.